Seventeenth Loksabha

an>

Title: Need to Roll back the hike in Prices of Fertilizers and Seed

श्री रितेश पाण्डेय (अम्बेडकर नगर): सरकार लगातार रासायनिक खाद के दाम बढ़ा रही है। इसके कारण किसानों के ऊपर दोहरी मार पड़ रही है। पहले ही पेट्रोल-डीजल के भाव बढ़ने से खेती के काम में भी महंगाई बढ़ी है। और अब मानसून के पहले रासायनिक खाद के दाम बढ़ गए हैं । पिछले वर्ष डीएपी खाद 1200 रुपये प्रति बोरी मिल रही थी I इस वर्ष दाम 1350 रूपये हो गए हैं। सुपर फस्फेट प्रति बोरी के दाम 375 रुपये से बढ़कर 425 रुपये, पोटाश खाद के दाम 1000 रुपये से बढ़ाकर 1700 रुपए प्रति 50 किलो बोरी किए गए हैं। पोटाश खाद में रिकार्ड 70 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। वही सोयाबीन का बीज भी पिछले साल सब्सिडी काटकर 7000 रुपये में मिल रहा था। इस वर्ष सब्सिडी काटने के बाद 8100 रुपये प्रति क्विंटल मिलेगा। इस तरह सोयाबीन बीज पर भी प्रति क्विंटल 1100 रुपये की वृद्धि कर दी गई। एनपीके 123216 के दाम भी पिछले साल ही 1185 रुपये से बढ़ाकर 1470 रुपये हो गए हैं। इस तरह लगातार खाद के दाम की बेतहाशा वृद्धि ने किसानों की कमर तोड़ दी है और लगातार खेती घाटे का सौदा साबित होने जा रही है। मेरा माननीय कृषि मंत्री, रसायन और उर्वरक मंत्री और प्रधान मंत्री जी से अनुराध है कि रासायनिक खाद के बढ़े हुए दामों को वापस ले और कठिन परिस्थितियों से गुजर रहे किसानों को राहत दें।